आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
बुधवार 24.09.2025
समय 1830

मुख्य समाचार :–

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का लोगों से आह्वान – दैनिक जीवन में अधिक से अधिक स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग करें।
- कृषि एवं ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने देहरादून में सिल्क एक्स्पो का शुभारंभ किया।
- हरिद्वार जिले की ग्राम पंचायत धनौरी में ग्रामोत्थान– रीप परियोजना के तहत चारा उत्पादन को लेकर महिला पशुपालकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न।
- बागेश्वर के नुमाइशखेत मैदान में कुमाउंनी गायन शैली में आयोजित होने वाली रामलीला का इस बार नए अंदाज में मंचन हो रहा है।

मुख्यमंत्री / स्वदेशी अपनाओ

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ''स्वदेशी अपनाओ'' तथा जीएसटी की नई दरों के व्यापक प्रचार–प्रसार के लिए जन–जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत आज देहरादून के कुंआवाला बाजार का भ्रमण किया। मुख्यमंत्री ने दुकानदारों और स्थानीय नागरिकों से बातचीत कर उन्हें स्वदेशी उत्पादों के उपयोग के लाभों और कर प्रणाली में हाल ही में लागू की गई नई दरों के संबंध में जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने लोगों का आह्वान किया कि वे दैनिक जीवन में अधिक से अधिक स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग करें और विदेशी उत्पादों पर निर्भरता कम करें। उन्होंने कहा कि जन–जागरूकता और लोगों की सक्रिय भागीदारी से ही ''स्वदेशी अपनाओ'' अभियान को व्यापक सफलता मिलेगी और राज्य की आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि जीएसटी दरों में कमी के कारण उपभोक्ताओं को वस्तुएं पहले से कम मूल्य पर उपलब्ध हो सकेंगी, जिससे आमजन को सीधा लाभ होगा।

सिल्क एक्सपो

कृषि एवं ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने आज देहरादून में आयोजित सिल्क एक्स्पो–2025 का शुभारंभ किया। उन्होंने एक्स्पो में लगे स्टोलों का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर श्री जोशी ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य का शहतूती रेशम पूरे देश में सर्वोत्तम माना जाता है। वर्तमान में प्रदेश में लगभग सात हजार 500 कीटपालक परिवारों द्वारा करीब 312 मीट्रिक टन शहतूती रेशम कोया का उत्पादन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि रेशम फेडरेशन द्वारा न सिर्फ परम्परागत बुनकरों को प्रशिक्षित किया गया, बल्कि सेलाकुई स्थित ग्रोथ सेंटर में तीन पावरलूम स्थापित कर गुणवत्तायुक्त वस्त्रों का उत्पादन भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि रेशम फेडरेशन का "दून सिल्क ब्रांड" अब राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुका है। गत वर्ष लगभग 5 करोड़ मूल्य के रेशमी वस्त्रों का उत्पादन कर फेडरेशन ने एक करोड़ का लाभ अर्जित किया। इस दौरान मंत्री गणेश जोशी ने रेशम कीट पालन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित भी किया।
सिल्क एक्स्पो में देश के 12 राज्यों के 26 से अधिक प्रतिभागियों ने अपने–अपने रेशमी उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई है। जहां उच्च गुणवत्ता के रेशमी वस्त्र, बुनाई की विविध विधाएं और डिज़ाइन ग्राहकों को एक ही छत के नीचे उपलब्ध हो रहे हैं।

भाजपा कार्यशाला

भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त प्रदेश पदाधिकारियों, जिला प्रभारी, सह–प्रभारी, जिला अध्यक्ष और जिला महामंत्रियों की प्रदेश संगठनात्मक कार्यशाला का आज देहरादून में राष्ट्रीय महामंत्री, संगठन, बी. एल. संतोष ने शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, पार्टी के प्रदेश प्रभारी दुष्यंत गौतम और सह

प्रभारी रेखा वर्मा मौजूद रहे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि यह संगठन की पहली कार्यशाला है और अब संगठन का विस्तार बूथ स्तर तक किया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं को घर–घर पहुंचाएं और 2027 में भाजपा की जीत सुनिश्चित करें। प्रदेश प्रभारी दुष्यंत गौतम ने कहा कि मिशन 2027 को लेकर भाजपा ने जमीनी स्तर पर काम करना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि पार्टी का लक्ष्य हर बूथ को सशक्त बनाना है।

रीप परियोजना प्रशिक्षण

हरिद्वार जिले में रुड़की विकासखंड की ग्राम पंचायत धनौरी में ग्रामोत्थान– रीप परियोजना के तहत दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आज सम्पन्न हो गया। ''आधुनिक तकनीकी द्वारा चारा उत्पादन''' विषय आयोजित प्रशिक्षण में 22 पशुपालक महिलाओं' ने भाग लिया। इस अवसर पर महिलाओं को चारा उत्पादन के महत्व, प्रमुख चारा फसलें जैसे– नेपियर घास, मक्का, जौ, ज्वार और बरसिम तथा उनकी वैज्ञानिक खेती तकनीक पर विस्तार से जानकारी दी गई। इसके अलावा उन्हें को भूमि की तैयारी, बीज चयन, बुआई, सिंचाई, निराई और संतुलित खाद, उर्वरक के प्रयोग की व्यावहारिक जानकारी भी दी गई। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण पशुपालकों को 'पौष्टिक व किफायती चारा उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाना' था, जिससे पशुओं का स्वास्थ्य सुधरे और दूध उत्पादन में वृद्धि हो सके।

रामलीला बागेश्वर

ब्रिटिश काल से बागेश्वर के ऐतिहासिक नुमाइशखेत मैदान में कुमाऊंनी गायन शैली में आयोजित होने वाली रामलीला इस बार नए अंदाज में मंचित हो रही है। परंपरागत रूप से केवल पुरुष कलाकारों द्वारा किए जाने वाले इस आयोजन में पहली बार बालिकाएं प्रमुख किरदार निभा रही हैं। रामलीला कमेटी के संरक्षक उमेश साह ने बताया कि बागेश्वर में रामलीला की शुरुआत का कोई लिखित प्रमाण उपलब्ध नहीं है, लेकिन पूर्वजों के अनुसार 1890 में यहां रामलीला का मंचन प्रारंभ हुआ था। 1927 से 1948 तक अपरिहार्य कारणों से रामलीला का मंचन नहीं हो सका। वर्ष 1949 में नगरवासियों ने पुनः चौक बाजार से इसकी शुरुआत की और अगले ही साल से इसे नुमाइशखेत मैदान में स्थानांतरित कर दिया गया, जो अब तक लगातार आयोजित हो रही है।

राष्ट्रीय कला उत्सव

देहरादून के एम.के.पी– पी.जी कॉलेज में इन दिनों श्रीराम राष्ट्रीय कला उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह उत्सव न सिर्फ कला को मंच दे रहा है, बल्कि युवा पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का भी काम कर रहा है। इस अवसर पर कॉलेज की चित्रकला विभागाध्यक्षा डॉ. ममता सिंह ने कहा कि उनके लिए यह बड़े गर्व का विषय है कि महाविद्यालय में इस राष्ट्रीय कला उत्सव का आयोजन हो रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति को युवाओं तक पहुँचाने और उन्हें अपनी संस्कृति के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से यह आयोजन किया गया है।

राष्ट्रीय कला उत्सव में भाग लेने वाली छात्रा रागवी चौधरी का कहना है कि इस तरह के आयोजन से हम अपनी संस्कृति को आगे बढ़ा सकते हैं और दूसरों को भी प्रेरित कर सकते हैं।